AGLASEM.COM

कक्षा १० नागरिकशास्त्र नोट्स

राजनीतिक दल



Key Notes and Important Questions with Answers

राजनीति विज्ञान कक्षा 10वीं

अध्याय - 5

राजनीतिक दल

याद रखने योग्य बातें :-

	राजनीतिक दल	एजेंडा
1.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885 में गठित)	इस दल ने धर्मनिरपेक्षता और कमजोर वर्गों तथा अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को अपना मुख्य एजेंडा बनाया है। यह दल नई आर्थिक नीतियों का समर्थक है।
2.	भारतीय जनता पार्टी (1980 में गठित)	भारत की प्राचीन संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेकर मजबूत और आधुनिक भारत बनाने का लक्ष्य। पार्टी जम्मू कश्मीर को क्षेत्रीय और राजनीतिक स्तर पर विशेष दर्जा देने के खिलाफ है। यह देश में रहने वाले सभी धर्म के लोगों के लिए समान नागरिक संहिता बनाने और धर्मांतरण पर रोक लगाने के पक्ष में है।
3.	बहुजन समाज पार्टी (1984 में गठित)	पार्टी साहू महाराज, महात्मा फूले, पेरियार रामास्वामी नायकर और अम्बेडकर के विचारों और शिक्षाओं से प्रेरणा लेती है। दलितों और कमजोर वर्ग के लोगों के कल्याण और उनके हितों की रक्षा के मुद्दों पर सबसे ज्यादा सक्रिय है।

4.	भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (1964 में गठित)	मार्क्सवाद – लेनिनवाद में आस्था। समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की समर्थक तथा साम्राज्यवाद और सांप्रदायिकता विरोधी। यह पार्टी भारत में सामाजिक आर्थिक न्याय का लक्ष्य साधने में लोकतांत्रिक चुनावों को सहायक और उपयोगी मानती है।
5.	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (1925 में गठित)	मार्क्सवाद लेनिनवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र में आस्था, अलगाववादी और सांप्रदायिक ताकतों की विरोधी यह पार्टी संसदीय, लोकतंत्र को मजदूर वर्ग, किसानों और गरीबों के हितों को आगे बढ़ाने का एक उपकरण मानती है।
6.	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (1999 में गठित)	लोकतंत्र, गांधीवादी, धर्म निरपेक्षता, समता, सामाजिक न्याय और संघवाद में आस्था। यह पार्टी भारत में जन्मे नागरिकों के लिए आरक्षण चाहती है।

2. राजनीतिक दल का अर्थ – एक ऐसा संगठित समूह जो चुनाव लड़ने और राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से काम करती है।
3. राजनीतिक दल के तीन प्रमुख हिस्से 1) नेता 2) सक्रिय नेता 3) अनुयायी या समर्थक।
4. अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों के बीच लड़ा जाता है।
5. दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते हैं और मतदाता अपनी पसंद की नीतियाँ और कार्यक्रमों का चुनाव करते हैं।

6. दल देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। संविधान संशोधन में भी इनका योगदान होता है।
7. चुनाव में कम सीटें पाने वाले दल को विपक्षी दल कहते है।
8. भारत में चुनाव आयोग द्वारा पंजीकृत दलों की संख्या 750 से ज्यादा है।
9. कई देशों में केवल एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है। इसे एक दलीय व्यवस्था कहते हैं। उदाहरण- चीन, जहाँ कम्युनिस्ट पार्टी का शासन है।
10. कुछ देशों में सत्ता दो मुख्य दलों के बीच बदलती रहती है इसे दो दलीय व्यवथा कहते हैं। उदाहरण - संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन।
11. जब अनेक दलों को सत्ता में आने का ठीक-ठाक अवसर हो तो इसे बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं - उदाहरण - भारत।
12. शासक दल - जिस दल का शासन हो यानि जिसकी सरकार बनती है।
13. दल-बदल - विधायिका के लिए किसी दल विशेष से निर्वाचित होने वाले प्रतिनिधि का उस दल को छोड़कर अन्य किसी दल में चले जाना।

1 अंक वाले प्रश्न

1. किसी एक प्रांतीय दल का नाम लिखें।
2. भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धांत क्या है ?
3. किसी देश के लिए कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका कौन निभाता है ?

लघु / दीर्घ प्रश्न (3/5 अंक)

1. राजनीतिक दलों के कार्य लिखिए।
2. राष्ट्रीय राजनीतिक दल और प्रांतीय दलों में अंतर स्पष्ट करें।
3. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और भारतीय कम्यूनिस्ट पाटी मार्क्सवादी में अन्तर स्पष्ट करें।
4. विभिन्न प्रकार की दलीय व्यवस्था का उल्लेख करें।
5. वर्तमान में राजनीतिक दलों के समक्ष चुनौतियों की व्याख्या करें।

6. प्रांतीय दल भारत में संघवाद को मजबूत करने में किस प्रकार सहायता करते है।

7. राजनीतिक दलों एवं नेताओं को सुधारने के लिए सरकार द्वारा किये गये प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

8. लोकतंत्र की गुणवत्ता जन सहभागिता के स्तर पर निर्भर करती है। क्या आप इस कथन से सहमत है? उत्तर के समर्थन में तर्क दें।

9. विगत कुछ दशकों से भारत में राष्ट्रीय दलों की तुलना में क्षेंत्रीय दलों का प्रभाव बढ़ा है। क्या यह भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है? अपने उत्तर के समर्थन तर्क दीजिए।

10. लोकतंत्र की सफलता राजनीतिक दलों पर निर्भर करती है। परंतु भारत में राजनीतिक दलों के व्यवहार ने इसें बुरी तरह-प्रभावित किया है। लोकतंत्र के सफल संचालन के लिए आप राजनीतिक दलों में कौन-कौन से सुधार लाना/देखना चाहेंगे?

उत्तर माला

1 अंक वाले प्रश्न

1. सिक्किम लोकतांत्रिक मोर्चा, मिजो नेशनल फ्रंट बीजू जनता दल या कोई अन्य।

2. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद या हिंदुत्व एक प्रमुख तत्व है।

3. राजनीतिक दल

लघु / दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

1.
- ★ चुनाव लड़ना
- ★ कानून बनाना
- ★ सरकार बनाना व चलाना
- ★ विपक्ष की भूमिका
- ★ जनमत का निर्माण

2. **प्रांतीय राजनीतिक दल** :– जब किसी दल को किसी राज्य विधान सभा चुनाव की कुल मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत प्राप्त होता है अथवा वह कम से कम दो सीटों पर विजयी होता है तो उसे प्रांतीय राजनीतिक दल कहते हैं।

राष्ट्रीय राजनीतिक दल – जब किसी दल को लोकसभा चुनाव में किन्हीं चार राज्यों की विधान सभा चुनाव में कुल वैध मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत प्राप्त होता है और चार लोकसभा सीटें जीत ले तो उसे राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहते है।

3. **भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी** :–

1) इसका गठन 1925 में हुआ
2) इसका जनाधार केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में है।
3) 2004 के चुनाव में इसे 1.4 प्रतिशत वोट और लोकसभा की 10 सीटें हासिल हुई।
4) यह अपने विचारों से उदार मानी जाती हैं।

भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी :–

1) इसका गठन 1964 में हुआ।
2) पश्चिम बंगाल, केरल, त्रिपुरा में मजबूत आधार है।
3) 2004 के चुनाव में इसने करीब 6 फीसदी वोट और लोकसभा की 43 सीटें हासिल की।
4) यह विचारों से अधिक कठोर मानी जाती है।

4. 1) **एक दलीय प्रणाली** – देश में केवल एक दल को ही सरकार बनाने की अनुमति होती है। जैसे-चीन।
2) **दो दलीय प्रणाली** – देश में दो दलों को मान्यता प्राप्त होती है। जैसे ब्रिटेन तथा अमेरिका।
3) **बहुदलीय प्रणाली** – देश में दो से अधिक दलों की व्यवस्था होती है। जैसे – भारत और फ्रांस।

5. 1) आंतरिक लोकतंत्र का अभाव।

2) वंशवादी उत्तराधिकार।

3) धन एवं बल का प्रयोग।

4) सार्थक विकल्प का अभाव।

5) दल के सामान्य सदस्यों की उपेक्षा।

6. राष्ट्रीय दल प्रांतीय दलों के साथ गठबंधन करने को मजबूर हुए हैं। 1996 के बाद से लगभग प्रत्येक प्रांतीय दल को एक या दूसरी राष्ट्रीय स्तर की गठबंधन सरकार का हिस्सा बनने का अवसर मिला है। इससे हमारे देश में संघवाद और लोकतंत्र मज़बूत हुए हैं। राष्ट्रीय सरकार के लिए क्षेत्रीय दलों की माँगों को स्वीकार करना आवश्यक हो गया है।

7. 1) दल परिवर्तन पर नियन्त्रण (दल-बदल विरोधी कानून द्वारा)

2) दल बदल करने पर अपनी सीट खोनी पड़ती है।

3) सम्पत्ति की घोषणा करना।

4) आपराधिक मामले से सम्बन्धित शपथ-पत्र दायर करना अनिवार्य है।

5) आयकर का रिटर्न भरना भी जरूरी बना दिया है।

8. हाँ, क्योंकि -

1) लोकतंत्र का उद्देश्य जनता का जनता के द्वारा शासन है।

2) लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लिये बिना राजनीतिक दलों में सुधार लाना कठिन।

3) सामान्य जनता की भागीदारी आवश्यक।

4) उपयुक्त उम्मीदवार का चयन।

5) असहभागिता से सत्ता गलत एवं अक्षम लोगों के हाथों में चली जाती है।

© NCERT not to be republished

9. हाँ, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। इसके समर्थन में तर्कः

1) केन्द्रीय। राष्ट्रीय राजनीति में साथ गठबंधन करने पर मजबूर हुए हैं।

2) राष्ट्रीय दल, क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करने पर मजबूर हुए हैं।

3) राष्ट्रीय दल, क्षेत्रीय दलों की अनदेखी नहीं कर सकते।

4) केन्द्रीय सरकार को सभी क्षेत्रों के विकास पर ध्यान देना होगा।

5) क्षेत्रीय दलों की भागीदारी राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ी है।

10. राजनीतिक दलों में सुधारः-

1) राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र का बहाल करना।

2) दल-बदल कानून को प्रभावी बनाना।

3) चुनाव में काले धन के प्रयोग पर रोक लगाना।

4) जिन लोगों के विरूद्ध किसी भी तरह का आपराधिक मुकदमा चल रहा है, उनके चुनाव लड़ने पर रोग लगाना।

5) जन प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार।